सेंट मारग्रेट सी • सै• स्कूल
सैंपल पेपर – (2023–24)
विषय – हिंदी
कक्षा – (छठी)

निर्धारित समय : 2:30 घंटे **अधिकतम अंक – 60**

प्रश्न-1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विकल्प में से चुनिए :– **1×15 = 15**

1 'अश्रु' शब्द का तद्भव रूप चुनिए।
(1) गेहूँ (2) गाँव (3) आँसू (4) अंधा

2 'शायद कमरे में कोई छिपा हुआ है।' इस वाक्य में शायद शब्द है-
(1) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (2) निजवाचक सर्वनाम (3) संबंधवाचक सर्वनाम (4) प्रश्नवाचक सर्वनाम

3 'कटु' शब्द का उचित विलोम है-
(1) मधुर (2) दयालु (3) सरल (4) कठिन

4 'मैं अपना काम **स्वयं** करता हूँ' में रेखांकित में कौनसा सर्वनाम है ?
(1) निश्चयवाचक (2) निजवाचक (3) सम्बन्धवाचक (4 पुरुषवाचक

5 इनमें से सही वर्तनी वाला शब्द चुनिए-
(1) प्रनाम (2) परणाम (3) परनाम (4) प्रणाम

6 'सब में घर कुशल हैं।' वाक्य को सही क्रम में लिखिए-
(1) कुशल में सब घर हैं। (2) घर में सब कुशल हैं। (3) कुशल में सब घर हैं। (4) घर में हैं सब कुशल।

7 दिए गए शब्दों में से तत्सम शब्द चुनिए-
(1) निद्रा (2) रानी (3) पिता (4) कंधा

8 'ईमानदारी' शब्द का संज्ञा भेद चुनिए ।
(1) जातिवाचक (2) भाववाचक (3) व्यक्तिवाचक (4)) इनमें से कोई नही

9 'अप' उपसर्ग युक्त सही शब्द चुनिए |
(1) अपवन (2) अपेक्षा (3) अपनाम (4) अपशब्द

10 'सीता सेब खाती है' कौन सी क्रिया है?
(1) सकर्मक क्रिया (2) अकर्मक क्रिया (3) संयुक्त क्रिया (4) सामान्य क्रिया

11 'साहसिक' शब्द में मूल शब्द क्या है?
(1) साहसी (2) साहस (3) इक (4) साह

12 'जन्म' किसका विलोम शब्द है –
(1) मृत्यु (2) पैदा 3) अभिशाप (4) शैतान

13 'अनुमान' शब्द का सही अर्थ छांटिए।
(1) बेचैन (2) अंदाजा (3) आराम (4) कठिन

14 'तसल्ली' किस शब्द का अर्थ है
(1) इच्छा 2) दिलासा 3) मंजूर (4) बहाना

15 मोहन की ऐसे ऐसे क्या बीमारी थी ?
(1) मास्टरजी का डर (2) स्कूल का काम न करने का डर (3) पेटदर्द की बीमारी (4) सरदर्द की बीमारी

(अपठित गद्यांश)

प्रश्न-2 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **1×5 = 5**

झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई को घुड़सवारी के साथ-साथ घोड़ों की भी अच्छी परख थी। एक बार घोड़ों का एक व्यापारी रानी के दरबार में आया। उसके पास एक जैसे दिखने वाले दो घोड़े थे। उसे विश्वास था कि रानी दोनों घोड़ों का एक दाम लगाएँगी, मगर रानी ने कुछ देर देखने के पश्चात् एक घोड़े का दाम एक हज़ार रुपये और दूसरे घोड़े का दाम मात्र पचास रुपये लगाया। व्यापारी ने आश्चर्यचकित होकर रानी से पूछा "रानी जी, दोनों घोड़ों की शक्ल, रंग, कद-काठी में कोई फर्क नहीं है, फिर भी आपने दाम में इतना फर्क क्यों कर दिया?" रानी ने कहा, "जिस घोड़े का दाम मैंने एक हज़ार रुपये लगाया है, वह उत्तम कोटी का स्वस्थ घोड़ा है, और जिस घोड़े का दाम मैंने पचास रुपये लगाया है, वह किसी रोग का शिकार है और उसकी उम्र भी कम है।" रानी की सूझ-बूझ और बुद्धिमानी को देखकर व्यापारी बहुत प्रभावित हुआ।

1) व्यापारी क्या लेकर दरबार में आया ?

(i) घोड़ा (ii) दो घोड़े (iii) संदूक (iv) शस्त्र

2) रानी ने दूसरे घोड़े का दाम क्या लगाया ?

(i) पच्चीस रुपये (ii) पचास रुपये (iii) सौ रुपये (iv) एक हज़ार रुपये

3) पहले घोड़े में क्या ख़ास बात थी ?

(i) निम्न कोठी का स्वस्थ घोड़ा (ii) उच्च कोटी का अस्वस्थ घोड़ा (iii) उच्च कोटी का स्वस्थ घोड़ा (iv) उत्तम घोड़ा

4) गद्यांश के लिए उचित शीर्षक छाँटिए-

(i) घोड़े की सूझ-बूझ (ii) रानी की सूझ-बूझ (iii) घुड़सवार रानी (iv) दो घोड़े

5) 'बुद्धिमान' शब्द का विलोम होगा-

i) अधघम (ii) बुरा (iii) स्वस्थ (iv) मूर्ख

(अपठित गद्यांश)

प्रश्न-3 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1×5 = 5

'विद्यार्थी' शब्द का जन्म विद्या से हुआ है। विद्या द्वारा मनुष्य एक अच्छा मनुष्य एवं अच्छा नागरिक बनता है और देश की प्रगति में सहभागी होता है। इसलिए सबको आदर्श विद्यार्थी बनने का प्रयास करना चाहिए। 'आदर्श विद्यार्थी इन शब्दों का उच्चारण करते हुए हमें ऐसे व्यक्ति का स्मरण हो आता है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्राप्त करना होता है। यह विद्या-अनुरागी, जिनामु, परिश्रमी, सदाचारी और सुशील होता है। आदर्श विद्यार्थी मात्र अपनी कक्षा की पुस्तकों से संतुष्ट नहीं होता बल्कि वह अन्य पुस्तकों, पत्र और पत्रिकाओं का भी समान रूप से अध्ययन करता है। पढ़ाई के अलावा खेलकूद व अन्य गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए। उसे विद्यालय में होने वाली सभी तरह की गतिविधियों में भाग लेकर अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए। एक आदर्श विद्यार्थी अपने लक्ष्य को हमेशा ध्यान में रखता है। जीवन को सही दिशा देना ही एक आदर्श विद्यार्थी का कार्य होता है। हमारी शिक्षा हमें पैरों में खड़े रहना सिखाती है जो विद्या दूसरों के हितों और कार्यों के लिए समर्पित हो, वही सही सच्चे अर्थों में शिक्षा कहलाती है। आदर्श विद्यार्थी को चाहिए अपनी शिक्षा का सदुपयोग करते हुए सबके हितों के लिए कार्य करे।

1- विद्यार्थी' शब्द का जन्म किससे से हुआ है?
2- विद्या का मनुष्य पर क्या प्रभाव होता है?
3- 'आदर्श विद्यार्थी' में कौन-कौन से गुण होते है ?
4- हमारी शिक्षा हमें क्या सिखाती है?
5- उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

प्रश्न-4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) माँ मोहन के ऐसे – ऐसे कहने पर क्यों घबरा रही थी? मोहन ऐसे – ऐसे क्यों किया जा रहा था? **3**

2) केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना–पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे? **3**

3) केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी? स्पष्ट कीजिए। **4**

अथवा

प्रकृति अपना जादू कैसे दिखाती है?

प्रश्न-5 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1×5 = 5

गोल हैं खूब मगर
आप तिरछे नज़र आते हैं ज़रा ।
आप पहने हुए हैं कुल आकाश तारों-जड़ा;
सिर्फ़ मुँह खोले हुए हैं अपना
गोरा-चिट्टा
गोल-मटोल,

1- प्रस्तुत कविता के कवि का नाम लिखिए।
2- गोल कौन है और वह कैसे नजर आते हैं?
3- चाँद ने क्या पहना हुआ है?
4- चाँद का मुंह कैसा है?
5- चाँद से गप्पे कौन लड़ा रहा है?

लेखन कौशल

प्रश्न-6 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

1) मेरी बस यात्रा 2) मेरा प्रिय मित्र 3) त्योहारों का महत्व

प्रश्न-7 अपने मित्र को परिश्रम का महत्व बताते हुए पत्र लिखिए। **5**

प्रश्न-8 स्कूल से देरी में घर पहुँचने पर अपनी माताजी से हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए। **5**

प्रश्न-9 दिए गए चित्र को देखकर अपने शब्दों में वर्णन कीजिए। **5**